मोनोफिलामेन्ट लाँग लाइनिंग पर राष्ट्रीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
निदेशक
केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान (भा कृ अनु प),
सिफ्ट जंक्शन, मत्स्यपुरी पी.ओ., विल्लिंगडन आइलेंड,
कोचिन – 682 029.

दूरभाष: 91 (0) 484-2666845
91 (0) 484-2668212
ई-मेल: cift@ciftmail.org
वेबसाइट: www.cift.res.in

केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोची
एवं
केन्द्रीय मात्स्यिकी नौचालन और अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान,कोची
के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित

2015

केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
कोचिन 682029

रूपकार: प्रदीप कुमार महतो
www.mahacreations.com

भारतीय विशेष आर्थिक क्षेत्र की समुद्री ट्यूना के 0.21 मिलीयन टन की मत्स्य संपदा को रखता, इसमें से करीब 0.05 मिलीयन टन का शोषण इस समय हो रहा है। वर्ष 2010 में कुल मत्स्य निर्यात में ट्यूना का वैश्विक हिस्सा करीब 8 प्रतिशत था। विश्व में, ट्यूना या ट्यूना जैसे जातियों का कुल शिकार वर्ष 2010 में करीब 6.6 मिलियन टन था। केरल में, ट्यूना का अवतरण लगातार वर्ष 2008 से घट रहा है। वर्ष 2010 से 2011 तक 13170 टन से 17374 तक की 31.9% नीचे से ऊपर की प्रवृत्ति का पंजीकृत किया गया। ट्यूना संपदा का शोषण को भारतीय समुद्री उत्पादों के निर्यात वृद्धि के लिए एक प्रमुख क्षेत्र के रूप पहचाना गया। उत्पादन की वृद्धि के लिए सुधरित प्रग्रहण एवं पश्च-प्रग्रहण हस्तन एवं संसाधन प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता है और उच्च मूल्य उत्पादों में सशीमी श्रेणी ट्यूना और ट्यूना आधारित मूल्यवर्धित उत्पाद हो सकते है। लम्बी डोरी, पर्ससीन, पोत्त और लाईन, गलफडा जाल (हॉड लाईन), हस्तडोरी के अतिरिक्त ट्रोल डोरी पद्धतियॉं ट्यूना के शिकार के लिए महत्वपूर्ण वाणिज्यिक पद्धतियॉं हैं। भारत में ट्यूना की वृद्धि के लिए कई प्रयास किए गए, हाल के वर्षों में, विद्यमान मत्स्यन जहाजों से ट्यूना लम्बी डोरी के परिवर्तन को लोकप्रिय बनाना शामिल है। संवेदी जातियों के समूह का उपपकड, समुद्री कछुवा, समुद्री पक्षी, समुद्री स्तनपायी और शार्क शामिल है, तलमज्जी लम्बीडोरी मात्सियकी में, समस्यात्मक मामले हैं उन्हें उनके उत्पत्ती क्षेत्रों में ही समाधन किए जाना चाहिए।

लम्बीडोरी (लॉंग लाईन) को तटीय मात्सियकी के रूप में जापान में ट्यूना के लिए विकसित किया गया और उस के बाद 1950 के प्रारंभ में वैश्विक खुले समुद्र के परिचालन के लिए विकसित किया गया। लम्बीडोरियॉं अक्रिय मत्स्यन गिअर हैं इन्हें वाणिज्यिक मत्स्य के विविध जातियों जैसे ट्यूना, शार्क, स्वार्डफिश और शार्क के प्रग्रहण के लिए परम्परागत एवं आधुनिक मात्सियकी दोनों में व्यापक प्रयुक्त किया जाता है। यह काफी ईंधन कार्यक्षम पर्यावरण अनुकूल माने जाते है और ट्रॉलिंग जैसे अन्य मत्स्यन पद्धति की तुलना में आकार और जातियों में चयनित है। लम्बीडोरियॉं जल के गहरे सतह में ट्यूना के बिखरे स्कूल के लिए उपयुक्त है।

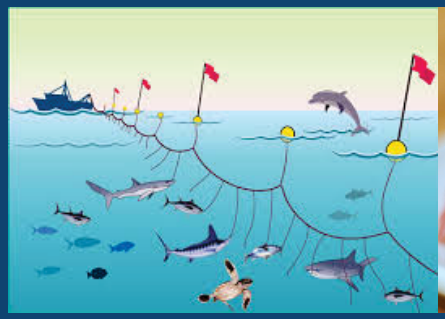

जैसे भूमध्य रेखा के समीप स्थित के प्रतिकूल प्रवाह या समान प्रवाह जहॉं थारमोक्लीन 100 से 200 मीटर तक की गहराई में विद्यमान होते। भारतीय जलों में ट्यूना मात्सियकी मुख्यत: तटीय मात्सियकी एवं महासागर मात्सियकी में विभाजित है। स्कीप जॉक ट्यूनाओं के शिकार के लिए लक्षद्वीप में केवल खंभा एवं डोरी मत्स्यन को प्रयुक्त किया जाता है। भारत में, तटीय ट्यूनों के प्रग्रहण के लिए खंभा एवं डोरी मत्स्यन और क्लोम जालन को प्रयुक्त किया जाता है। जबकि लम्बी डोरी के द्वारा महासागर ट्यूना मत्स्यन किया जाता है।भारतीय समुद्री उत्पादों के निर्यात में वृद्धि के लिए ट्यूना संपदा का शोषण एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में पहचाना गया। भारतीय अर्थ-व्यवस्था में महासागर ट्यूना मात्सियकी अविर्भाव के महत्व की मान्यता में, केन्द्रीय मात्सियकी प्रौद्योगिकी संस्थान एवं केन्द्रीय मात्सियकी नौचालन और अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान संयुक्त रूप से 5 दिनों की अवधि के लिए कोचिन में एकतंतु लम्बी डोरी पर राष्ट्रीय प्रशिक्षिक प्रशिक्षण आयोजन कर रहा है (3 दिनों की अवधि की एक समुद्री यात्रा और 2 दिनों की सैद्धांतिक कक्षाएं)। ट्यूना लम्बी डोरी के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ट्यूना मत्स्यन के प्रग्रहण और पश्च–प्रग्रहण पहलू शामिल है और संवेदी जातियों एवं समूहों की उपपकड़ का व्यवहार किया जाता है। यह प्रशिक्षण श्रृंखला को मछुवारे एवं राज्य सरकार के पदाधिकारियों के फायदे के लिए संचालित किया जा रहे है। प्रशिक्षण शुल्क का विवरण निम्न में दिया जा रहा हैं :-

क्र.सं	विवरण	प्रति बैच की राशि
1.	9 प्रशिक्षणार्थिओं के लिए प्रति प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण शुल्क रु.3,000/- के दर पर	रु 27,000-00
2.	प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के लिए सेवा कर 12.36%	रु 3337-20
3.	प्रशिक्षण जहाज खर्चा रु 40,000/- प्रति दिन की दर पर (3 दिन की समुद्री यात्रा)	रु120000-00
4.	आहार खर्चे रु 250/- के दर पर प्रति दिन प्रशिक्षणार्थी 5 दिनों के लिए	रु 11,250-00
5.	के मा प्रौ सं के होस्टल में (3 दिनों के लिए) प्रति दिन प्रति प्रशिक्षणार्थी आवास प्रभार रु 50/- के दर पर	रु 1350-00
	कुल	रु 162938-00